21.8.23
C.W

Ch-6

मुफ्त ही मुफ्त

शब्दार्थ :-

1. स्वाद - मजा
2. समस्या - परेशानी
3. कोलाहल - बहुत से लोगों के बोलने अथवा चीखने-चिल्लाने से होनेवाला शोर.
4. निराश - हताश होना
5. बंदरगाह - समुद्र के किनारे का वह स्थान जहाँ जहाज़ ठहरते हैं.
6. केवल - सिर्फ
7. विनती - प्रार्थना
8. दुहाई - फरियाद करना

1. मौखिक :-

(क) झीखूभाई का मन किस चीज को खाने के लिए आतुर था?

= झीखूभाई का मन नारियल खाने के लिए

आतुर था.

(स) उनके सामने कैसी समस्या आई?
= उनके घर में एक भी नारियल नहीं था इसलिए अब उन्हे बाजार जाना पडेगा.

(ग) भीखूभाई की पत्नी का क्या नाम था?
= भीखूभाई की पत्नी का नाम लाभुबेन था.

(घ) भीखूभाई कहां बैठकर सोच-विचार करने लगे?
= भीखूभाई बूढे वरगद पेड के नीचे बैठकर सोच-विचार करने लगे.

(ङ) वे पैसे खर्च करने में क्यों हिचकिचा रहे थे?
= वे पैसे खर्च करने में हिचकिचा रहे थे क्योंकि वह कंजूस था.

2. लिखित :-

(क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे, क्यों?
= हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वह अत्यंत कंजूस व्यक्ति थे.

(ख) नारियलवाले ने भीखूभाई को क्या सलाह दी और क्यों?

= नारियलवाले ने भीखूभाई को मंडी जाने की सलाह दी क्योंकि वहाँ एक ही रुपए में नारियल मिल सकता था,

(ग) पेड़ से नारियल तोड़ते समय क्या हुआ?
= पेड़ से नारियल तोड़ते समय भीखूभाई का पाँव फिसल गया और वे नारियल से लटकर झूल गए,

(घ) इस पाठ का अध्ययन करने से तुम्हें क्या शिक्षा मिली, अपने शब्दों में लिखो
= कंजूसी और मुफ्तखोरी दोनों ही मनुष्य के लिए अत्यंत घातक है, किसी चिज का उचीत दाम देकर ही उसे प्राप्त करना ठिक होता है,

3. उचित विकल्प चुनकर (✓) लगाओ :-

(क) भीखूभाई कैसी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे?
= कंजूस

(ख) वे किसके पेड़ के नीचे बैठे थे?
= बरगद के

(ग) सागर के किनारे कौन बैठा था?
= नाववाला

(घ) पेड़ से लटकते हुए भीखूभाई ने किससे विनती की?

= माली से

भाषा बोध :-

1. शब्दों को दी गई तालिका के अनुसार छाँटकर लिखो:-

र	र्‍	्र	्र
साकार	आकर्षण	ड्राइंग	क्रमशः
पतवार	सौंदर्य	ड्रम	प्रगति
गागर	पूर्व	राष्ट्रीय	सम्राट
विराट	दर्पण	ड्रामा	प्राकृतिक
	धर्म		प्रचलित

2. समानार्थक शब्द लिखो :-

1 शिखर - चोटी

2 असत्य - झूठ

3 क्रोध - गुस्सा

4 लोभ - लालच

5 वेतन - पगार

6 आयु - उम्र

7 संदुर - आकर्षण

8 जीवन - जिंदगी

3. विलोम शब्द लिखो :-

1 आरंभ - अंत

2 अमृत - विष

3 यश - अपयश

4 तीव्र - धिमा

5 विवाहित - अविवाहित

6 विजय - पराजय

4. अर्थ लिखो :-

i) खोदा पहाड़ निकली चुहिया - अधिक परिश्रम करने मे भी कम लाभ

(ii) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता - अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता

(iii) अंधे के हाथ बटेर लगना - अचानक प्रिय वस्तु की प्राप्ती होना

(iv) अपनी करनी पार उतरनी - कार्य के अनुसार फल प्राप्त करना

(v) घर की मुरगी दाल बराबर - उपलब्ध साधनों की किमत न जानना

(vi) जैसा देश वैसा भेष - जहां जैसी रीति हो वैसी ही चलना चाहिए

5. लिंग बदलो :-

1 काका - काकी

2 टोकरी - टोकरा

3 मुरगा - मुरगी

4 मटका - मटकी

5 भिखारिन - भिखारी

6 लुटिया - लोटा

7 आदमी - औरत

8 नर - नारी

9 धोबी - धोबिन

10 पंडित - पंडिताईन

—x—